KRSHAV PRASAD RALHI P. G. COLLEGE, AURAI, BHADOHI

'केशव-कणिका'

(मासिक विवरणिका)

"विद्यार्थी जीवन सीखने और स्वयं को गढ़ने का समय है। महाविद्यालय की यह पत्रिका आप सभी को अपनी प्रतिभा दिखाने का एक खुला आसमान प्रदान करती है। लिखना एक कला है जो हमारे व्यक्तित्व को निखारती है और समाज को नई दिशा देती है।

पं० रंगनाथ मिश्र

संस्थापक

"संस्थापक के शब्द प्रसून"

विकसित एवं सुदृढ़ समाज के लिए शिक्षा अत्यन्त महत्वपूर्ण है। कालीन उद्योग से अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान स्थापित करने वाला यह जनपद भदोही शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ापन के रोग से ग्रस्त है। इस बीमारी को दूर करने के लिए मेरे मस्तिष्क में एक कार्ययोजना स्वतः आयी। बहुत दिनों से मेरे मन-मस्तिष्क में यह बात खटक रही थी कि मेरा जनपद भदोही शिक्षा के क्षेत्र में बहुत पीछे है, जनपद के छात्र/छात्राएं इण्टर उत्तीर्ण करने के बाद **बी०ए०, बी०एस-सी०, बी० काम०, बी०सी०ए०, बी०एड०, एम०ए०, एम० कॉम०** के अध्ययनार्थ ज्ञानपुर, मिर्जापुर, वाराणसी के चक्कर लगाते थे। मन में संकल्पवत् विचार जागृत हुआ कि अवसर मिला तो सम्पूर्ण जनपद एवं विधान सभा क्षेत्र को महाविद्यालय से संतुष्ट करूँगा। इस कड़ी में वर्ष 2000 में तीन राजकीय महाविद्यालयों (औराई, भदोही, सेवापुरी) की स्थापना हुई। तत्पश्चात् वर्ष 2004 में केशव प्रसाद राल्ही महाविद्यालय की स्थापना की गयी। जिसमें, **बी०ए०, बी०एस-सी०, बी० काम०, बी०सी०ए०, बी०एड०, एम०ए०, एम० कॉम०** का पाठ्यक्रम संचालित हो रहा है। माध्यमिक शिक्षामंत्री रहने के दौरान जनपद को अनेक राजकीय हाईस्कूल की स्थापना से संतुष्ट किया गया ताकि जनपद भदोही की उच्च शिक्षा के प्रतिशत में बढ़ोतरी हो सके।

वर्तमान परिदृश्य में हमारा भदोही 'सुन्दर भदोही- साक्षर भदोही' से परिपूर्ण है। मुझे हर्ष की अनुभूति है कि केशव प्रसाद राल्ही स्नातकोत्तर महाविद्यालय स्थापनाकाल से दो दशक पूर्ण होने के अवसर पर महाविद्यालय की मासिक विवरणिका 'केशव-कणिका' प्रकाशित कर रहा है। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार को बधाई देता हूँ। दो दशक पूर्व से कार्यरत प्राचार्य डॉ० आलोक त्रिपाठी एवं डॉ० कुलदीप पाण्डेय को साधुवाद देता हूँ, विशेष रूप से महाविद्यालय के प्रबन्धक इ० बृजमोहन मिश्र को बधाई देता हूँ जिनकी सक्रियता एवं प्रयास के फलस्वरूप यह पत्रिका अस्तित्व में आयी। पुनश्च आशा करता हूँ कि महाविद्यालय का परिवेश उदीयमान प्रतिभाओं में अनुशासन व ईमानदारी से ज्ञानार्जन की प्रवृत्ति का विकास करेगा। श्रीमद्भगवद् गीता का वचन भी ज्ञान की ही श्रेष्ठता का उद्घोष करता है-

"नहि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते।"

इं० बृजमोहन मिश्र (विकास)

प्रबन्धक

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि केशव प्रसाद राल्ही स्नातकोत्तर महाविद्यालय औराई (भदोही), अपनी मासिक विवरणिका 'केशव-कणिका' को प्रकाशित कर रहा है। महाविद्यालय का द्रुतगति से विकास उत्साहवर्द्धक है। यहाँ पर अध्ययनरत विद्यार्थी अध्यवसायपूर्वक ज्ञानार्जन में प्रवृत्त हों, यह हमारी अपेक्षा है। अपने सम्मानित गुरुजनों से प्रेरणा प्राप्त कर छात्र/छात्राएं जीवन-पथ पर अग्रसर हों, देशोन्नति की मुख्य धारा से जुड़ने का प्रयत्न करें तथा राष्ट्र के जागरूक नागरिक होते हुए राष्ट्ररक्षा के प्रति संकल्पित हो, यह हमारा प्रयास है।

इस पत्रिका प्रकाशन के अवसर पर महाविद्यालय के त्वरित विकास में प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले जनपद के जनवर्ग, सुधीजनों तथा अभिभावकों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ। साथ ही महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० आलोक त्रिपाठी एवं डॉ० कुलदीप पाण्डेय, विद्वान् प्राध्यापकों, अनुशासित कर्मचारियों तथा अन्वेषी विवरणिका 'केशव-कणिका' को प्रकाशित करने के लिए शुभकामना व बधाई देता हूँ।

महाविद्यालय उद्देश्य है कि —

सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वेसन्तु निरामयाः।

सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःखभाग्भवेत्।।

डॉ० आलोक त्रिपाठी 'अमिय'

प्राचार्य

महाविद्यालय उच्च शिक्षा प्रदान करने वाला ऐसा विद्या केन्द्र है, जहाँ राष्ट्र का निर्माण करने में सक्षम होने हेतु युवा-पीढ़ी, शिक्षित एवं दीक्षित होती है। शिक्षक एवं शिक्षार्थी तथा समाज के सकारात्मक सहयोग से शिक्षा का सुन्दर स्वरूप विकसित होता है। जीवन को सही दिशा प्रदान करने वाली संस्कार युक्त शिक्षा से न केवल व्यक्ति का अपितु परिवार, समाज, देश एवं पीढ़ियों का चरित्र समुन्नत होता है। हमारा लक्ष्य है कि हम सब इस महाविद्यालय में ऐसी शिक्षा का बीज वपन करें जिससे अंकुरित वृक्ष समाज में विभिन्न संतापों को दूर करते हुए जन-जीवन में छाया की शीतलता प्रदान कर सकें।

"परिन्दों को नहीं दी जाती है, तालीम उड़ानों की, वो खुद तय करते हैं, दूरी आसमानों की।

रखता है जो हौसला आसमान छूने का, परवाह नहीं होती है उसको मिट जाने की।।"

माँ सरस्वती को नमन करते हुए इस महाविद्यालय की मासिक विवरणिका 'केशव-कणिका' का प्रकाशित होने पर छात्र/छात्राओं को संदेश दे रही है-

"गति को ही जीवन कहते हैं, चलते चलो सतत् उस ओर।

बढ़ते चलो निरन्तर तब तक, पैर न छू ले इच्छित छोर।।"

डॉ. कुलदीप कुमार पाण्डेय

उपप्राचार्य

"महाविद्यालय की मासिक विवरणिका का प्रारम्भ होना बड़ा ही हर्ष का विषय है इसके लिए महाविद्यालय के संस्थापक पं० रंगनाथ मिश्र (पूर्व शिक्षा मंत्री, उ० प्र० सरकार), महाविद्यालय के प्रबन्धक इं० बृजमोहन मिश्र तथा प्राचार्य डॉ० आलोक त्रिपाठी को शुभकामना अर्पित करता हूँ। यह महाविद्यालय की प्रगति में मील का पत्थर साबित होगा, इसमें कोई संदेह नहीं है।विवरणिका महाविद्यालय की प्रगति का दर्पण होती है। यह महाविद्यालय उच्च शिक्षा का अद्वितीय केंद्र है जो स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में अग्रणी है।आशा करता हूँ कि यह प्राध्यापकों, छात्र/छात्राओं हेतु मार्गदर्शन का सेतु बनेगा।"

डॉ. कुलदीप कुमार पाण्डेय

(उपप्राचार्य)

KESHAV PRASAD RALHI P. G. COLLEGE, AURAI, BHADOHI

SCIENCE EXHIBITION

"The Organizing Committee and Faculty Members gathered for the opening ceremony of science exhibition."

"Evaluators evaluating the science projects made by the students."

"Evaluators cross-questioning the candidates to judge their level of knowledge about the topic"

KESHAV PRASAD RALHI P. G. COLLEGE, AURAI, BHADOHI

अटल शताब्दी समारोह - 2025

भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म शताब्दी

छात्रों ने अटल जी की प्रसिद्ध कविताओं जैसे "कदम मिलाकर चलना होगा" और "हार नहीं मानूंगा" का सस्वर पाठ कर वातावरण को राष्ट्रभक्ति के रस से सराबोर कर दिया।

"बाधाएं आती हैं आएं,
घिरें प्रलय की घोर घटाएं,
पावों के नीचे अंगारे,
सिर पर बरसें यदि ज्वालाएं।"

“अटल जी का जीवन और पोखरण परमाणु परीक्षण" विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें भारत को परमाणु शक्ति संपन्न बनाने में उनके अदम्य साहस और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की चर्चा की गई, जो अटल जी के समृद्ध भारत के सपने को दर्शाते हैं।”

KESHAV PRASAD RALHI P. G. COLLEGE, AURAI, BHADOHI

RANGOLI COMPETITION

The students prepared a beautiful Rangoli on Women Empowerment, and the faculty members appreciated their hard work.

Another beautiful Rangoli made on SAVE GIRL CHILD EDUCATE GIRL child by B. Ed. students.

Last but not the least the most beautiful Rangoli on theme “Save Water Save Earth” made by upcoming educators of bright future.

KESHAV PRASAD RALHI P. G. COLLEGE, AURAI, BHADOHI

TRAINING ON CAMPUS TRACKER ERP APP

The KPRPG College is moving from manual to Digital Upgradation by adopting latest app of ERP. All the faculty members showing their level of excitement after becoming up to date on the use of ERP App.

"The training program is designed to transform a traditional campus into a Smart Campus by equipping students, faculty, and staff with the skills to use a centralized digital ecosystem."

MEDIA COVERAGE

वाराणसी/चंदौली
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
लोक अधिकार
सबकी आवाज, सबका अधिकार
25 दिसंबर 2025
www.lokadhikarnews.com

केशव प्रसाद राल्ही स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 'अटल स्मृति' विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन

लोक अधिकार

वाराणसी/भदोही। केशव प्रसाद राल्ही स्नातकोत्तर महाविद्यालय के विज्ञान विभाग द्वारा आज पूर्व प्रधानमंत्री व भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती के पावन अवसर पर वार्षिक विज्ञान प्रदर्शनी 'नवाचार और सतत भविष्य' का गौरवपूर्ण आयोजन किया गया। यह प्रदर्शनी अटल जी के विजन "जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान" के संकल्प को समर्पित रही।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि इं० बृज मोहन मिश्रा (प्रबंधक - के.पी.आर.पी.जी. कॉलेज) द्वारा दीप प्रज्वलन एवं अटल जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, "अटल जी विज्ञान को राष्ट्र की प्रगति का आधार मानते थे। आज हमारे छात्रों द्वारा प्रस्तुत किए गए नवाचार इस बात का प्रमाण हैं कि हमारी युवा पीढ़ी तकनीक के माध्यम से सामाजिक समस्याओं के समाधान खोजने में सक्षम है।"

प्रदर्शनी की मुख्य विशेषताएं:

विभागीय नेतृत्वः विज्ञान विभाग के शिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने भौतिकी, रसायन और जीव विज्ञान के जटिल सिद्धांतों को 'वर्किंग मॉडल्स' के जरिए सुलभता से समझाया।

कार्यकारी मॉडलः भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान के सिद्धांतों पर आधारित 'वर्किंग मॉडल्स' आकर्षण का केंद्र रहे।

लाइव प्रदर्शनः विद्यार्थियों ने जटिल वैज्ञानिक प्रक्रियाओं को रोचक प्रयोगों के माध्यम से लाइव प्रदर्शित किया।

पोस्टर प्रस्तुतिः पर्यावरण संरक्षण और सतत ऊर्जा जैसे विषयों पर सुंदर और ज्ञानवर्धक पोस्टर प्रदर्शित किए गए।

अटल विजन थीमः प्रदर्शनी में विशेष रूप से 'सतत भविष्य' और 'स्वच्छ ऊर्जा' पर आधारित मॉडल्स को प्राथमिकता दी गई, जो अटल जी के समृद्ध भारत के सपने को दर्शाते हैं।

प्रतियोगिता और परिणामः नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया जिसमें मोहम्मद रेहान-डीएनए वर्किंग मॉडल (वजर वायर), खुशी सिंह-वर्किंग मॉडल ऑफ हर्ट, आयुषी-वर्किंग मॉडल ऑफ किडनी, मनीषा पटेल-वर्किंग मॉडल ऑफ लंग्स की प्रदर्शनी मुख्य आकर्षण का केंद्र रही।

विशेष अतिथि वक्तव्य : महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ॰ आलोक त्रिपाठी ने विज्ञान विभाग की इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्रों में तार्किक सोच और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास होता है तथा उपप्राचार्य डॉ॰कुलदीप पांडे ने प्रोजेक्ट्स की विशेष सराहना की। इस अवसर पर परीक्षक के रूप में डॉ॰ नीतू शुक्ला, विकास राय, पवन बिंद , प्रदीप कुमार चतुर्वेदी तथा महाविद्यालय के समस्त संकाय सदस्य रहे कार्यक्रम का संचालन संकायाध्यक्ष डॉ॰ मेघा बरनवाल तथा धन्यवाद ज्ञापन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रवीण सिंह ने किया।

वाराणसी/चंदौली
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
लोक अधिकार
सबकी आवाज, सबका अधिकार
25 दिसंबर 2025
www.lokadhikarnews.com

केशव प्रसाद राल्ही स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 'अटल स्मृति' विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन

लोक अधिकार

वाराणसी/भदोही। केशव प्रसाद राल्ही स्नातकोत्तर महाविद्यालय के विज्ञान विभाग द्वारा आज पूर्व प्रधानमंत्री व भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती के पावन अवसर पर वार्षिक विज्ञान प्रदर्शनी 'नवाचार और सतत भविष्य' का गौरवपूर्ण आयोजन किया गया। यह प्रदर्शनी अटल जी के विजन "जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान" के संकल्प को समर्पित रही।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि इं० बृज मोहन मिश्रा (प्रबंधक - के.पी.आर.पी.जी. कॉलेज) द्वारा दीप प्रज्वलन एवं अटल जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, "अटल जी विज्ञान को राष्ट्र की प्रगति का आधार मानते थे। आज हमारे छात्रों द्वारा प्रस्तुत किए गए नवाचार इस बात का प्रमाण हैं कि हमारी युवा पीढ़ी तकनीक के माध्यम से सामाजिक समस्याओं के समाधान खोजने में सक्षम है।"

प्रदर्शनी की मुख्य विशेषताएं:

विभागीय नेतृत्वः विज्ञान विभाग के शिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने भौतिकी, रसायन और जीव विज्ञान के जटिल सिद्धांतों को 'वर्किंग मॉडल्स' के जरिए सुलभता से समझाया।

कार्यकारी मॉडलः भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान के सिद्धांतों पर आधारित 'वर्किंग मॉडल्स' आकर्षण का केंद्र रहे।

लाइव प्रदर्शनः विद्यार्थियों ने जटिल वैज्ञानिक प्रक्रियाओं को रोचक प्रयोगों के माध्यम से लाइव प्रदर्शित किया।

पोस्टर प्रस्तुतिः पर्यावरण संरक्षण और सतत ऊर्जा जैसे विषयों पर सुंदर और ज्ञानवर्धक पोस्टर प्रदर्शित किए गए।

अटल विजन थीमः प्रदर्शनी में विशेष रूप से 'सतत भविष्य' और 'स्वच्छ ऊर्जा' पर आधारित मॉडल्स को प्राथमिकता दी गई, जो अटल जी के समृद्ध भारत के सपने को दर्शाते हैं।

प्रतियोगिता और परिणामः नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया जिसमें मोहम्मद रेहान-डीएनए वर्किंग मॉडल (वजर वायर), खुशी सिंह-वर्किंग मॉडल ऑफ हर्ट, आयुषी-वर्किंग मॉडल ऑफ किडनी, मनीषा पटेल-वर्किंग मॉडल ऑफ लंग्स की प्रदर्शनी मुख्य आकर्षण का केंद्र रही।

विशेष अतिथि वक्तव्य : महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ॰ आलोक त्रिपाठी ने विज्ञान विभाग की इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्रों में तार्किक सोच और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास होता है तथा उपप्राचार्य डॉ॰कुलदीप पांडे ने प्रोजेक्ट्स की विशेष सराहना की। इस अवसर पर परीक्षक के रूप में डॉ॰ नीतू शुक्ला, विकास राय, पवन बिंद , प्रदीप कुमार चतुर्वेदी तथा महाविद्यालय के समस्त संकाय सदस्य रहे कार्यक्रम का संचालन संकायाध्यक्ष डॉ॰ मेघा बरनवाल तथा धन्यवाद ज्ञापन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रवीण सिंह ने किया।

केशव प्रसाद राल्ही पी .जी . कॉलेज में 'अटल शताब्दी समारोह' का आयोजन

संदीप तिवारी वेलकम इंडिया

वाराणसी मिजार्मुराद। भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म शताब्दी के पावन अवसर पर औराई स्थित केशव प्रसाद राल्ही पी.जी. कॉलेज में ₹अटल शताब्दी समारोह-2025₹ का गौरवपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को अटल जी के ओजस्वी विचारों, उनके राष्ट्रप्रेम और ₹जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान₹ के संकल्प से परिचित कराना था।

समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि इं॰ बृजमोहन मिश्र (प्रबंधक, केशव प्रसाद राल्ही पी.जी. कॉलेज) द्वारा दीप प्रज्वलन एवं अटल जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अटल जी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि एक युगपुरुष थे, जिनका जीवन और दर्शन आने वाली कई पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

कार्यक्रम के दौरान कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया

काव्य पाठः छात्रों ने अटल जी की प्रसिद्ध कविताओं जैसे ₹कदम मिलाकर चलना होगा₹ और ₹हार नहीं मानूंगा₹ का सस्वर पाठ कर वातावरण को राष्ट्रभक्ति के रस से सराबोर कर दिया।

भाषण :अटल जी का जीवन और पोखरण परमाणु परीक्षण₹ विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें भारत को परमाणु शक्ति संपन्न बनाने में उनके अदम्य साहस और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की चर्चा की गई।

नवाचारः छात्रों ने विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में नए विचारों को साझा कर ₹जय विज्ञान₹ के नारे को सार्थक किया।

प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथि एवं प्राचार्य द्वारा मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

केशव प्रसाद राल्ही पी.जी. कालेज में अटल शताब्दी समारोह का भव्य आयोजन

केपीपीएन संवाददाता

औराई (भदोही)। भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म शताब्दी के पावन अवसर पर औराई स्थित केशव प्रसाद राल्ही पी.जी. कॉलेज में अटल शताब्दी समारोह–2025 का गौरवपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को अटल जी के ओजस्वी विचारों, उनके राष्ट्रप्रेम और जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान के संकल्प से परिचित कराना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ

समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि इं० बृजमोहन मिश्र (प्रबंधक, केशव प्रसाद राल्ही पी.जी. कॉलेज) द्वारा दीप प्रज्वलन एवं अटल जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अटल जी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि एक युगपुरुष थे, जिनका जीवन और दर्शन आने वाली कई पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

प्रमुख आकर्षण एवं प्रतियोगिताएं

कार्यक्रम के दौरान कॉलेज के छात्र–छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया ष्काव्य पाठ– छात्रों ने अटल जी की प्रसिद्ध कविताओं जैसे कदम मिलाकर चलना होगा और हार नहीं मानूंगा का सस्वर पाठ कर वातावरण को राष्ट्रभक्ति के रस से सराबोर कर दिया। भाषण अटल जी का जीवन और पोखरण परमाणु परीक्षण विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें भारत को परमाणु शक्ति संपन्न बनाने में उनके अदम्य साहस और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की चर्चा की गई।ष्नवाचार छात्रों ने विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में नए विचारों को साझा कर ष्जय विज्ञानष के नारे को सार्थक किया।

पुरस्कार वितरण

प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं को मुख्य अतिथि एवं प्राचार्य द्वारा मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

समापन

कॉलेज के प्राचार्य डॉ० आलोक त्रिपाठी ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्रों में वैचारिक स्पष्टता और देश के प्रति समर्पण की भावना जागृत होती है। इस अवसर पर महाविद्यालय के उपप्राचार्य डॉ० कुलदीप पाण्डेय, प्रशासनिक अधिकारी ई० प्रदीप कुमार चतुर्वेदी, संकायाध्यक्ष डॉ मेघा बरनवाल, विभागाध्यक्ष डॉ० नीतू शुक्ला, प्रवीण सिंह, विकास राय, ज्योति मिश्रा समेत समस्त संकाय सदस्य और बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन मनोज कुमार चौबे तथा धन्यवाद ज्ञापन शिव कुमार मिश्र ने किया।

केशव प्रसाद राल्ही पी.जी. कॉलेज में 'अटल शताब्दी समारोह' का भव्य आयोजन

लोक अधिकार

वाराणसी/भदोही। भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म शताब्दी के पावन अवसर पर औराई स्थित केशव प्रसाद राल्ही पी.जी. कॉलेज में "अटल शताब्दी समारोह–2025" का गौरवपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को अटल जी के ओजस्वी विचारों, उनके राष्ट्रप्रेम और "जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान" के संकल्प से परिचित कराना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ

समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि इं॰ बृजमोहन मिश्र (प्रबंधक, केशव प्रसाद राल्ही पी.जी. कॉलेज) द्वारा दीप प्रज्वलन एवं अटल जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अटल जी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि एक युगपुरुष थे, जिनका जीवन और दर्शन आने वाली कई पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज के छात्र–छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपनी काव्य पाठः छात्रों ने अटल जी की प्रसिद्ध कविताओं जैसे "कदम मिलाकर चलना होगा" और "हार नहीं मानूंगा" का सस्वर पाठ कर वातावरण को राष्ट्रभक्ति के रस से सराबोर कर दिया।

भाषण– ?"अटल जी का जीवन और पोखरण परमाणु परीक्षण" विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें भारत को परमाणु शक्ति संपन्न बनाने में उनके अदम्य साहस और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की चर्चा की गई।

?नवाचारः छात्रों ने विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में नए विचारों को साझा कर "जय विज्ञान" के नारे को सार्थक किया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं को मुख्य अतिथि एवं प्राचार्य द्वारा मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ० आलोक त्रिपाठी ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्रों में वैचारिक स्पष्टता और देश के प्रति समर्पण की भावना जागृत होती है। इस अवसर पर महाविद्यालय के उपप्राचार्य डॉ० कुलदीप पाण्डेय, प्रशासनिक अधिकारी ई० प्रदीप कुमार चतुर्वेदी, संकायाध्यक्ष डॉ मेघा बरनवाल, विभागाध्यक्ष डॉ० नीतू शुक्ला, प्रवीण सिंह, विकास राय, ज्योति मिश्रा समेत समस्त संकाय सदस्य और बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे ।

खबरो पर पैनी नजर
मिर्जापुर
हिन्दी दैनिक

केशव प्रसाद राल्ही स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अटल स्मृति विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन

केपीपीएन संवाददाता

वाराणसी / भदोही। केशव प्रसाद राल्ही स्नातकोत्तर महाविद्यालय के विज्ञान विभाग द्वारा आज पूर्व प्रधानमंत्री व भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती के पावन अवसर पर वार्षिक विज्ञान प्रदर्शनी श्नवाचार और सतत भविष्यश का गौरवपूर्ण आयोजन किया गया। यह प्रदर्शनी अटल जी के विजन ष्जय जवान, जय किसान, जय विज्ञानष के संकल्प को समर्पित रही।कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि इं० बृज मोहन मिश्रा (प्रबंधक — के.पी.आर. पी.जी. कॉलेज) द्वारा दीप प्रज्वलन एवं अटल जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, अटल जी विज्ञान को राष्ट्र की प्रगति का आधार मानते थे। आज हमारे छात्रों द्वारा प्रस्तुत किए गए नवाचार इस बात का प्रमाण हैं कि हमारी युवा पीढ़ी तकनीक के माध्यम से सामाजिक समस्याओं के समाधान खोजने में सक्षम है।

प्रदर्शनी की मुख्य विशेषताएं:

विभागीय नेतृत्वः विज्ञान विभाग के शिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने भौतिकी, रसायन और जीव विज्ञान के जटिल सिद्धांतों को वर्किंग मॉडल्सश के जरिए सुलभता से समझाया।

कार्यकारी मॉडलः भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान के सिद्धांतों पर आधारित वर्किंग मॉडल्स आकर्षण का केंद्र रहे।

लाइव प्रदर्शनः विद्यार्थियों ने जटिल वैज्ञानिक प्रक्रियाओं को रोचक प्रयोगों के माध्यम से लाइव प्रदर्शित किया।

पोस्टर प्रस्तुतिः पर्यावरण संरक्षण और सतत ऊर्जा जैसे विषयों पर सुंदर और ज्ञानवर्धक पोस्टर प्रदर्शित किए गए।

अटल विजन थीमः प्रदर्शनी में विशेष रूप से श्सतत भविष्य और श्स्वच्छ ऊर्जा पर आधारित मॉडल्स को प्राथमिकता दी गई, जो अटल जी के समृद्ध भारत के सपने को दर्शाते हैं।

प्रतियोगिता और परिणामः नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया जिसमें मोहम्मद रेहान—डीएनए वर्किंग मॉडल (वजर वायर), खुशी सिंह—वर्किंग मॉडल ऑफ हर्ट, आयुषी—वर्किंग मॉडल ऑफ किडनी, मनीषा पटेल—वर्किंग मॉडल ऑफ लंग्स की प्रदर्शनी मुख्य आकर्षण का केंद्र रही।

विशेष अतिथि वक्तव्य : महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० आलोक त्रिपाठी ने विज्ञान विभाग की इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्रों में तार्किक सोच और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास होता है तथा उपप्राचार्य डॉ०कुलदीप पांडे ने प्रोजेक्ट्स की विशेष सराहना की। इस अवसर पर परीक्षक के रूप में डॉ० नीतू शुक्ला, विकास राय, पवन बिंद , प्रदीप कुमार चतुर्वेदी तथा महाविद्यालय के समस्त संकाय सदस्य रहे कार्यक्रम का संचालन संकायाध्यक्ष डॉ० मेघा बरनवाल तथा धन्यवाद ज्ञापन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रवीण सिंह ने किया।

Mrs. JYOTI PANDEY
HOD (Comp. Sc.)
(SUB-EDITOR)

ER. PRADEEP KUMAR CHATURVEDI
(PRESIDENT AWARDED)
ADMINISTRATIVE OFFICER
(PUBLISHER)

Dr. MEGHA BARANWAL
DEAN
(EDITOR)

TO BE CONTINUED…